RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 28 DECEMBER 2022 TO 03 JANUARY 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 15 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर: 12 घंटे में दिल्ली टू मुंबई, एक्सप्रेसवे पर उतर सकता है प्लेन Page 2

जीएसटी को लेकर आया ये अहम अपडेट Page 3

ना बिजली ना तेल फिर भी चलेगी ये रेल, जानिए कब भारत में दौड़ेगी हाईड्रोजन ट्रेन Page 4

editoria!

कारोबारियों को राहत

जीएसटी काउंसिल ने अपनी 48वीं बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सहमति दे दी कि अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक की गड़बड़ियों के मामलों में मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। अभी तक यह सीमा एक करोड़ रुपये थी। काउंसिल ने सरकारी ऑफिसर के काम में बाधा पहुंचाने, सबूतों से छेडछाड़ करने और आवश्यक सूचनाएं मुहैया न कराने जैसे आरोपों को भी दंडनीय अपराध की श्रेणी से बाहर करने की बात कही है। ये फैसले कारोबारियों को बड़ी राहत देने वाले हैं। असल में कारोबारियों के लिए टैक्स चुकाना उतना बड़ा सिरदर्द नहीं होता, जितना कर अधिकारियों को इस बात का विश्वास दिलाना कि उन्होंने नियमानुसार टैक्स भरे हैं। अक्सर इस बात को लेकर दोनों पक्षों में मतभेद होता है कि कितना टैक्स चुकाया गया है और कितना बनता है। अगर ये मतभेद आपस में नहीं सुलझते तो मामला अदालत पहुंचता है। अक्सर ऐसी स्थिति में अदालतों पर मुकदमे का बोझ तो बढ़ता ही है, कारोबारियों का भी वक्त जाया होता है। जो ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के लिहाज से ठीक नहीं होता। 2014 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद इसी वजह से बीजेपी सरकार ने ईज ऑफ डुइंग बिजनेस पर जोर दिया और इसे लेकर राज्यों में एक स्वस्थ स्पर्धा भी शुरू हुई है। राज्य अपने यहां कारोबार के लिए सुगम स्थिति बनाकर अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। 2014 से पहले यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में टैक्स टेररिज्म बड़ा मुद्दा बन गया था। तब हुए लोकसभा चुनावों के दौरान बीजेपी का एक बड़ा वादा यह भी था कि सत्ता में आने पर वह टैक्स टेरर को समाप्त कर देगी। इस दिशा में पिछले वर्षों में प्रयास भी बीजेपी सरकार ने किए हैं। 2014 में जहां भारत ईज ऑफ डुइंग बिजनेस इंडेक्स में 142वें स्थान पर हुआ करता था, वहीं 2022 में 63वें स्थान पर आ गया। जीएसटी लाने के पीछे भी एक उद्देश्य यह भी था कि टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़े। जीएसटी सिस्टम ने बेशक कुछ चीजें आसान बनाईं लेकिन कुछ मामलों में इसने जटिलता बढ़ा भी दी। ऐसे में दो करोड़ रुपये तक के मामलों में मुकदमेबाजी से छूट की घोषणा निस्संदेह बड़ी राहत है। सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध न कराने जैसे आरोपों को दंडनीय अपराध के दायरे से बाहर करना भी अच्छा कदम है। देश ने लंबे वक्त तक इंस्पेक्टर राज का दुष्परिणाम देखा है। तब बात-बात पर कारोबारियों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे और अपना जायज काम करवाने के लिए भी घूस देनी पड़ती थी। वहीं, गलत इनवॉयस बनाने और फर्जी बिल दिए जाने वाले मामलों को ठीक ही इस छूट से बाहर रखा गया है, जिसकी शिकायत मिलती रही है। जीएसटी काउंसिल के हालिया फैसलों से कारोबारी सुगमता बढ़ेगी, लेकिन इस टैक्स व्यवस्था में आगे भी सुधार जारी रखने होंगे।

कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल के भाव स्थिर

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में नरमी का रुख है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 83 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। इसके बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल का दाम 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल का भाव 92.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन कारोबार की शुरुआत में ब्रेंट क्रूड 0.26 डॉलर यानी 0.31 फीसदी घटकर 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.29 डॉलर यानी 0.37 फीसदी फिसलकर 78.66 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। इसके बावजूद देश में पिछले 217 दिनों से पेट्रोल-डीजल दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

खत्म होगी डॉलर की बादशाहत, वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए उपलब्ध होगा डिजिटल रूपी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

आरबीआई ने हाल ही में डिजिटल रूपी पेश किया है। इस ऐतिहासिक कदम से न सिर्फ सरकार के डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी बल्कि अमेरिकी डॉलर की बादशाहत को भी झटका लगेगा। जानकारों की मानें तो यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका ने जिस तरह रूस के विदेशी मुद्रा भंडार पर पाबंदी लगा दी। इससे कई देश समझ गए कि वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए डॉलर पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है।

डिजिटल मुद्रा दुनियाभर के देशों की यह चिंता कम कर सकता है। पहले ईरान और अब रूस ने जो रास्ता दिखाया है, उसका असर आने वाले दिनों में यह हो सकता है कि भारत अन्य देशों से कारोबार में रुपये में लेनदेन के विकल्प पर जोर देगा। इससे डॉलर पर निर्भरता कम होने के साथ निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

आरबीआई के कार्यकारी निदेशक अजय कुमार चौधरी का कहना है कि डिजिटल रूपी मुद्रा प्रणाली के सिस्टम में दक्षता लाएगी। भुगतान के तरीके में नया लचीलापन देने के साथ विदेश में होने वाले भुगतान को भी बढ़ावा देगा। सामाजिक और आर्थिक परिणामों से होने वाले नुकसानों से भी बचा जा सकेगा।

डिजिटल रुपये का इस्तेमाल यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस, डेबिट/क्रेडिट कार्ड आदि के जरिये भुगतानों के लिए किया जा सकता है। यह पारंपरिक ऑनलाइन लेनदेन से अलग है।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे की मामूली बढ़त के साथ खुला

मुंबई। एजेंसी

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला और बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सपाट खुला। कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी की वजह से रूपये ने सीमित दायरे में कारोबार किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.77 पर खुला, फिर कुछ बढ़त के साथ 82.76 के स्तर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले महज चार पैसे की बढ़त दर्शाता है। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बुधवार को सात पैसे की तेजी के साथ 82.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत गिरकर 104.35 पर आ गया। वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.31 फीसदी गिरकर 83 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

इंदौर में 28 दिनों में पकड़ी डेढ़ करोड़ की बिजली चोरी

800 से ज्यादा स्थानों पर मिली अनियमितताएं, चोरी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर के निर्देश पर बिजली चोरी, अनियमितता करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। मप्रपक्षेविविकं के शहर अधीक्षण यंत्री श्री मनोज शर्मा ने बताया कि सभी जोन क्षेत्रों में कार्यपालन यंत्रियों श्री गजेंद्र कुमार, श्री विनय प्रताप सिंह, श्री सुनील सिंह, श्री डीके तिवारी, श्री योगेश आठनेरे ने टीम बनाकर चैकिंग अभियान चलाया गया। जहां भी संदेह मिला, वहां विधिवत कार्रवाई की गई। इंदौर पूर्व संभाग में 180 स्थानों पर गड़बड़ी मिली, इंदौर पश्चिम में 150, इंदौर मध्य में 155, इंदौर उत्तर में 125 स्थानों पर, इंदौर दक्षिण में 200 स्थानों पर चोरी, अनियमितता मिली है। सभी स्थानों पर कुल डेढ़ करोड़ रूपए से ज्यादा की बिलिंग की गई है। दक्षिण संभाग के कार्यपालन यंत्री श्री डीके तिवारी ने बताया कि बुधवार दोपहर मैकेनिक नगर बिजली जोन के प्रभारी श्री कमलेश हिरकने ने टीम के साथ नानक नगर के श्री फेज कनेक्शन के उपभोक्ता श्री परमिंदर सिंह के यहां चोरी पकड़ी यहां परंपरागत बिजली मीटर में छेद कर लोड को कम करने का प्रयास किया जा रहा था। यहां पूर्व में जारी बिल की तुलना में तीन गुना लोड पाया गया। उपभोक्ता से लगभग 8 लाख रूपए की वसूली की जाएगी। बिजली कंपनी का अनुरोध- बिजली कंपनी ने एक बार फिर उपभोक्ताओं से नियम से बिजली उपयोग करने के साथ ही चोरी, अनियमितता नहीं करने की अपील की है। घरेलू कनेक्शन का व्यवसायिक उपयोग नहीं करने का भी आग्रह किया गया है।

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोरः 12 घंटे में दिल्ली टू मुंबई, एक्सप्रेसवे पर उतर सकता है प्लेन

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर का दिल्ली से दौसा तक पहला हिस्सा जनवरी में शुरू हो जाएगा। यह 220 किलोमीटर की दूरी लोग दो घंटे में पूरा कर सकेंगे। इसकी कई डेडलाइन मिस हो चुकी हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, इस कॉरिडोर के दौसा तक के हिस्से का 99.9 फीसदी काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का काम चल रहा है। जैसे ही हरी झंडी मिल जाएगी यह हाइवे शुरू कर दिया जाएगा। दिल्ली से मुंबई तक पूरा कॉरिडोर दिसंबर 2023 तक पूरा होने का अनुमान है।

दिल्ली से दौसा तक के प्रोजेक्ट के हिस्से को देख रहे प्रोजेक्ट डायरेक्टर मुदित गर्ग के मुताबिक, जब तक इस कॉरिडोर पर परमानेंट पेट्रोल पंप या दूसरी सेवाएं शुरू नहीं कर दी जातीं तब तक मोबाइल पेट्रोल पंपों के जरिए लोगों को पेट्रोल-डीजल मुहैया कराया जाएगा। इसके बाद इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन शुरू होंगे और उसके बाद सीएनजी पंप भी लगाए जाएंगे। कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक, सभी सुविधाएं कॉरिडोर के शुरू होने के आठ महीने बाद चालू होने की बात है, लेकिन इन्हें पहले ही शुरू कर दिया जाएगा। कॉरिडोर पर रेस्तरां, रेस्टरूम, शॉपिंग मॉल, होटल जैसी सुविधाओं को पूरा करने का काम साथ-साथ चल रहा है।

प्लेन की हो सकती है इमरजेंसी लैंडिंग

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर का डिजाइन इस तरह का है कि अगर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़े तो इस पर प्लेन उतारा जा सकता है। अधिकारियों के

मुताबिक, नैशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (?NHAI) ने इस तरह की गाइडलाइंस जारी नहीं की है, लेकिन जरूरत पड़ने पर कुछ ऐसे इलाके हैं जहां पर हाईटेंशन तार नहीं हैं वहां पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग की जा सकती है। हाइवे पर इलेक्ट्रिक गाड़ियों की अलग से लेन होगी। इस हाइवे के शुरू हो जाने पर हर साल करीब 32 करोड़ लीटर फ्यूल की बचत होगी। इसकी वजह से सालाना करीब 85 करोड़ किलोमीटर कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन घटेगा, जो 4 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। हाइवे पर करीब 20 लाख पौधे लगाए गए हैं।

12 घंटे में दिल्ली से मुंबई

देश का पहला ग्रीन कॉरिडोर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे 1380 किलोमीटर लंबा है। इस हाइवे के निर्माण पर करीब एक लाख करोड़ की लागत आनी है। हाइवे पर 120 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से गाड़ियां चलेंगी और 12 घंटे में दिल्ली से मुंबई पहुंचा जा सकेगा। कॉरिडोर को 12 लेन का बनाने की योजना है। अभी तक पूरी दुनिया में 12 लेन का इतना लंबा कॉरिडोर नहीं है। अभी यह हाइवे 8 लेन का है। हाइवे के बीच में 21 मीटर चौड़ी जगह छोड़ी जा रही है, जैसे ही इस हाइवे पर ट्रैफिक बढ़ेगा दोनों ओर 2-2 लेन और बना दी जाएंगी। इससे यह हाइवे 12 लेन का हो जाएगा। जानकारी के मुताबिक हरियाणा में इस हाइवे की कुल लंबाई 160 किलोमीटर है। हरियाणा के पैकेज पर 11 हजार करोड़ का खर्च आएगा। इसके अलावा दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर के अन्य हिस्सों पर भी काम चल रहा है, कुछ पर काम खत्म भी हो गया है।

पांच राज्यों से होकर गुजरेगा हाइवे

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर कुल पांच राज्यों से होकर गुजरेगा। इनमें दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र शामिल हैं। यह एक्सप्रेस-वे जयपुर, किशनगढ़, अजमेर, कोटा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, भोपाल, उज्जैन, इंदौर, अहमदाबाद और सूरत जैसे इकनॉमिक हब के लिए भी शानदार कनेक्टिविटी मुहैया कराएगा। इस कॉरिडोर के शुरू होने से बिजनेस कनेक्टिविटी बढ़ेगी और ट्रेड को बढ़ावा मिलेगा।

चीन से डायरेक्ट फ्लाइट बंद,फिर भी रोज भारत आ रहे हैं यात्री

नई दिल्ली। एजेंसी

चीन में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट कोरोना वैरिएंट BF.7 या Omicron BF.7 का भीषण प्रकोप है। बताया जाता है कि वहां हर छठा व्यक्ति इससे इंफेक्टेड है। कोरोना की पहली लहर के समय से ही भारत और चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट (China Direct Flight) बंद है। इसके बावजूद कुछ दूसरे देश होकर लोग बेखटके चीन से भारत आ-जा रहे हैं। इस रूट को भी बंद करने के लिए ट्रेवल एजेंट, डॉक्टर और राजनीतिज्ञ भी आवाज उठाने लगे हैं।

कम से कम महीने भर तक अराइवल रिस्ट्रिक्ट हो

ट्रेवल एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (TAFI) के ज्वाइंट सेक्रेटरी और अंबे वर्ल्ड ट्रेवल्स के मैनेजिंग पार्टनर अनिल कलसी का कहना है कि चीन से आवाजाही पूरी तरह से बंद हो। उनका कहना है कि कोरोना की पहली लहर से ही दोनों देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट बंद हैं। लेकिन आसपास के देशों से होकर वहां से आवाजाही जारी है। इस समय मलेशिया, सिंगापुर आदि देश होकर चीन से लोग भारत आ रहे हैं। यदि आप वहां जाना चाहें तो भारतीय हवाई अड्डे से श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार, हांगकांग आदि देशों से होकर चीन के एयरपोर्ट तक जाने का टिकट मिल रहा है। पश्चिम एशिया या यूरोपीय देशों के रास्ते भी चीन से आवाजाही कर रहे हैं। चाइन से अराइवल को कम से कम महीने भर के रोकने की आवश्यकता है। क्योंकि एक बार कोरोना वायरस का नया वेरिएंट भारत में आ गया तो फिर क्या होगा, इसका अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता है।

टूरिस्ट वीजा नहीं मिल रहा

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस समय चीनी नागरिक के लिए टूरिस्ट वीजा बंद है। जिन्हें जरूरी काम है, वही वहां से आवाजाही कर रहे हैं। जैसे किसी का बिजनस रिलेशन है और कारोबार के लिए ट्रेवल करना जरूरी है। या फिर कोई भारतीय वहां रहते तो उनकी ही आवाजाही हो रही है। इसी तरह चीन में पढ़ाई करने वाले भारतीय भी जरूरत पड़ने पर आ-जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वहां करीब 23,000 भारतीय विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। इनमें से अधिकतर विद्यार्थी मेडिसिन (MBBS) की पढ़ाई कर रहे हैं।

कोहरे के चलते फ्लाइट लेट तो चिंता की बात नहीं,एयर इंडिया ने शुरू की नई फॉगकेयर सर्विस

नई दिल्ली। एजेंसी

उड़ानों के संचालन पर कोहरे का असर कम करने के लिए एयर इंडिया ने नई 'फॉगकेयर' पहल शुरू की है। एयर इंडिया ने शनिवार को कहा कि वह अपनी तरफ से सक्रियता दिखाते हुए यात्रियों से संपर्क स्थापित कर उन्हें अपनी प्रभावित उड़ानों को बिना किसी शुल्क के पुनर्निर्धारित करने या रद्द करने का विकल्प देगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने यात्रियों पर कोहरे के कारण व्यवधान के प्रभाव को कम करने के लिए 'फॉगकेयर' पहल शुरू की है। यह शुरुआत में दिल्ली हवाईअड्डे से आने और जाने वाली उड़ानों के लिए होगी। एयर इंडिया की यह पहल उन यात्रियों तक सक्रिय तौर पर पहुंचने के लिए है, जिनकी उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं और कोहरे के दौरान उनके रद्द होने की आशंका है। ऐसे यात्री तय कर सकते हैं कि हवाई अड्डे की यात्रा करनी है या नहीं और लंबी प्रतीक्षा की असुविधा से बचना चाहते हैं या नहीं। उनके पास बिना किसी अतिरिक्त लागत के अपनी प्रभावित उड़ानों को पुनर्निर्धारित या रद्द करने का भी विकल्प होगा।

यात्रियों के अनुभव में काफी सुधार होगाः एयर इंडिया

एयर इंडिया के चीफ कस्टमर एक्सपीरियंस ऑफिसर और एयरपोर्ट ऑपरेशंस के ग्लोबल हेड राजेश डोगरा ने बताया कि 'हम अपने ग्राहकों के लिए सर्वोत्तम संभव अनुभव सुनिश्चित करने के लिए ग्राहक केंद्रित उपाय, फोगकेयर पहल को लॉन्च करके प्रसन्न हैं। विश्व स्तरीय एयरलाइन बनने की हमारी यात्रा में यह एक और कदम है और कोहरे से प्रभावित दिनों के दौरान यात्रियों के अनुभव में काफी सुधार होगा।'

उड़ान को पुनर्निर्धारित या फिर रद्द कर सकते हैं यात्रीः एयर इंडिया

उन्होंने कहा, 'हम अपने ग्राहकों को इस बात की पूरी जानकारी देने का प्रयास करेंगे कि क्या उनकी उड़ान कोहरे से प्रभावित हुई है और परिस्थितियों को देखते हुए सर्वोत्तम विकल्प चुनने में उनकी मदद करेंगे। वो बिना किसी अतिरिक्त लागत के अपनी उड़ान को पुनर्निर्धारित या फिर रद्द कर सकते हैं।' एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयरलाइन कोहरे से संबंधित आपात स्थितियों से निपटने में सक्षम होने के लिए विमान, पायलट, रखरखाव और केबिन क्रू की पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित कर रही है। पूरी तरह से प्रशिक्षित कॉकपिट क्रू के साथ, जो सीएटी-3 इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) के माध्यम से कम दृश्यता की स्थिति में काम करने की क्षमता से लैस है, एयर इंडिया ने कोहरे के कारण व्यवधान को कम करने के लिए कमर कस ली है।

कोराना वैक्सीन की 3 खुराक लगवाने वालों को इंश्योरेंस रिन्यू कराने पर मिलेगी छूट?

नई दिल्ली। एजेंसी

कई देशों में कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि के बीच बीमा नियामक ईईईं ने बीमा कंपनियों से कहा है कि वे उन पॉलिसीधारकों को सामान्य और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के नवीनीकरण पर छूट देने पर विचार करें, जिन्होंने कोविड-19 टीके के तीन शॉट लिए हैं। इसके साथ ही भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने जीवन और गैर-जीवन बीमा दोनों कंपनियों से जल्द से जल्द ण्ध्ब्ब्ः से संबंधित दावों को निपटाने और कागजी कार्रवाई को कम करने को कहा है। पिछले हफ्ते COVID-19 के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक बैठक के दौरान नियामक ने इस बात पर भी जोर दिया कि बीमाकर्ताओं को अपने वेलनेस नेटवर्क के माध्यम से RT-PCR परीक्षण करवाने पर पॉलिसीधारकों को प्रोत्साहन देना चाहिए।

क्या है IRDAI का प्रस्ताव

IRDAI ने बीमाकर्ताओं से सोशल मीडिया आउटरीच के माध्यम से COVID के अनुरूप व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए कहा। विदेशी यात्रा बीमा के संबंध में IRDAI ने ऐसी नीतियों को विभिन्न देशों के साथ साझा करने का आग्रह किया। इसके अलावा IRDAI ने कोविड परीक्षण आवश्यकताओं के बारे में जानकारी फैलाने के लिए कहा। नियामक ने बीमाकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया कि COVID-19 के मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने के लिए पैसा जमा करने पर बाध्य न किया जाए। दरअसल, देखने में आया है कि कैशलेस पॉलिसी होने के बावजूद कुछ अस्पतालों ने पहली और दूसरी लहर के दौरान COVID उपचार के लिए पैसे जमा करने की मांग की।

क्या है बीमा नियामक का प्रस्ताव

IRDAI ने कहा कि बीमाकर्ताओं को सबसे खराब स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए और सभी हितधारकों को COVID से संबंधित सहायता के लिए एक वॉर रूम बनाना चाहिए। नियामक ने उद्योग से कहा कि डेटा को एक निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट किया जाना चाहिए, ताकि कोई विसंगति न हो। बीमाकर्ताओं ने नियामक से उपचार प्रोटोकॉल के लिए नियम तय करने को कहा, ताकि धोखाधड़ी के मामलों को कम किया जा सके।

सवा पांच लाख की कार पर आप देते हैं पौने दो लाख का टैक्स, समझिए गणित

नई दिल्ली। एजेंसी

यदि आप यदि 5.33 लाख रुपये की कार खरीद रहे हैं तो आप 1.75 लाख रुपये टैक्स (Tax) के रूप में देते हैं। यदि आप छह लाख रुपये की कार खरीदते हैं तो आप करीब 2 लाख (1.98 लाख) रुपये टैक्स देते हैं। टोयोटा फॉर्चुनर के टॉप मॉडल की ऑन रोड कीमत करीब 60 लाख रुपये हैं। इसमें जीएसटी, सेस और रोड टैक्स मिलाकर आप करीब 31 लाख रुपये टैक्स के रूप में दे रहे होते हैं।

सभी कारों पर लगता है एक समान टैक्स?

सभी तरह की कारों पर एक समान टैक्स नहीं लगता है। जीएसटी (GST) भले ही सभी कारों पर एक जैसा हो लेकिन सेस की दरें अलग अलग हैं। यह एक फीसदी से लेकर 22 फीसदी तक लगता है। इसी तरह से रोड टैक्स भी अलग-अलग कैटिगरी के व्हीकल पर अलग होता है और हर राज्य में इसके स्लैब्स अलग होते हैं जो पेट्रोल और डीजल इंजन के अलावा उनकी एक्स शोरूम कीमतों (Ex Showroom Price) के हिसाब से तय किए जाते हैं।

कितना लगता है रोड टैक्स

सभी तरह की कारों पर एक समान रोड टैक्स (Road Tax) नहीं लगता है। यह कार की कैटिगरी पर निर्भर करता है। यहां हम आसानी के लिए दिल्ली (Delhi Road Tax) का उदाहरण ले रहे हैं। दिल्ली में 6 लाख रुपये तक की पेट्रोल कार पर 4 पर्सेंट टैक्स लगता है। 6 से 10 लाख तक की पेट्रोल कार पर 7 फीसदी और डीजल इंजन वाली कार पर 8.75 पर्सेंट रोड टैक्स लगता है। 10 लाख से ऊपर की पेट्रोल गाड़ियों पर 10 पर्सेंट और डीजल गाड़ियों पर 12.5 पर्सेंट रोड टैक्स लगता है।

कितना देना होता है जीएसटी और सेस

सभी तरह की कार पर जीएसटी (GST on Car) की अलग अलग रेट है। आपको एक नई कार पर कितनी जीएसटी चुकानी होगी, यह इस बात पर निर्भर करेगी कि आप कितनी लंबी कार ले रहे हैं। आपके कार का पावर मतलब कि कितने सीसी का इंजन है। यही नहीं, कार की कीमत पर भी जीएसटी वैरी करता है। मतलब कि ज्यादा लंबी, ज्यादा पावर और ज्यादा महंगी कार तो ज्यादा जीएसटी।

छोटी कारों पर कितनी जीएसटी और सेस

पेट्रोल, सीएनजी, एलपीजी से चलने वाले ऐसे पैसेंजर व्हीकल जिनकी लंबाई 4 मीटर से कम है और इंजन कपैसिटी 1200 सीसी से कम है, उन पर 28 पर्सेंट जीएसटी और 1 पर्सेंट सेस लगता है। यानी कुल 29 पर्सेंट टैक्स लगता है। मारुति सुजुकी ऑल्टो 800 और ऑल्टो के10, वैगन आर, सिलेरियो, स्विफ्ट, डिजायर, रेनॉ क्विड, ह्यूंदै आई10 ञ्ध्ए, आई20, होंडा अमेज जैसी गाड़ियां इस कैटिगरी में शामिल हैं। सही से समझने के लिए इनमें से ऑल्टो के10 के VXi वेरिएंट को लेते हैं जिसकी एक्स शोरूम कीमत 5.33 लाख रुपये है। इसमें आप कार की कीमत के अलावा 29 पर्सेंट जीएसटी दे रहे हैं। इसके बाद 4 पर्सेंट रोड टैक्स के रूप में देंगे यानी कुल 33 पर्सेंट टैक्स।

मंझोली कारों पर कितना टैक्स

इस कैटिगरी (Mod Size Car) में ऐसी कारें आती हैं, जिनकी लंबाई 4 मीटर से ज्यादा है और इंजन कपैसिटी 1500 सीसी से कम है। इन पर 28 फीसदी जीएसटी और 17 पर्सेंट सेस लगता है। यानी कुल 45 पर्सेंट टैक्स। होंडा सिटी, मारुति सुजुकी सियाज, स्कोडा स्लाविया जैसी कारें इस श्रेणी में शामिल हैं। इनकी कीमत अगर 10 लाख रुपये से ज्यादा है तो 10 पर्सेंट रोड टैक्स के रूप में भी देना पड़ेगा। यानी कुल कीमत में से करीब 55 पर्सेंट टैक्स का हो गया।

एसयूवी पर कितना लगेगा टैक्स

अब अगर एसयूवीज की बात करें तो इनपर जीएसटी और सेस मिलाकर 50 पर्सेंट तक हो जाता है। ऐसी गाड़ियां जिनकी लंबाई 4 मीटर से ज्यादा, इंजन 1500 सीसी से बड़ा और ग्राउंड क्लियरेंस 169 एमएम से ज्यादा होता है उनपर 28 पर्सेंट जीएसटी के साथ 22 पर्सेंट सेस भी लगता है। महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन, XUV700, टाटा सफारी और हैरियर, टोयोटा फॉर्चुनर जैसी गाड़ियां इस सेगमेंट में शामिल हैं। इन गाड़ियों के कीमत 10 लाख से काफी ऊपर ही शुरु होती है। इसलिए इनके पेट्रोल इंजन वाले वेरिएंट्स पर 10 पर्सेंट और डीजल इंजन वाले वेरिएंट्स पर 12.5 पर्सेंट का रोड टैक्स भी लगेगा। ऐसे में इन पर आप 62.5 पर्सेंट तक टैक्स दे रहे होते हैं। हैदराबाद जैसे शहर में ऐसी कोई डीजल एसयूवी पर आप 70 पर्सेंट तक टैक्स दे रहे होते हैं।

कई और छोटे मोटे चार्ज भी

हमने यहां जिन टैक्स और सेस की चर्चा की है, उनके अलावा भी कई छोटे-मोटे चार्ज लगते हैं। जैसे दिल्ली में नगर निगम की तरफ से पार्किंग चार्ज वसूला जाता है। यह चार्ज 4 हजार रुपये तक होता है। पार्किंग चार्ज दिल्ली नगर निगम या एमसीडी को जाता है। 10 लाख से ऊपर की हर गाड़ी पर एक पर्सेंट टीसीएस भी लगता है। ये सारे खर्च गाड़ी की ऑनरोड कीमत में शामिल होते हैं।

जीएसटी को लेकर आया ये अहम अपडेट

सरकार ने ई-चालान पर साफ किया अपना रुख

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने सोमवार को कहा कि सरकार के पास ई-चालान की अनिवार्यता को एक जनवरी से कम करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। वर्तमान में 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक के टर्नओवर वाले व्यवसायों को सभी B2B लेन-देन के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक इनवॉइस जनरेट करना आवश्यक है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने अपने बयान में कहा है कि 01.01.2023 से इस सीमा को घटाकर 5 करोड़ रुपये करने का सरकार के पास कोई प्रस्ताव नहीं है, क्योंकि अभी तक जीएसटी परिषद द्वारा ऐसी कोई सिफारिश नहीं की गई है।

नहीं घटेगी ई-चालान की सीमा

कई मीडिया रिपोर्ट में इस बात का दावा किया जा रहा था कि जीएसटी परिषद ने 1 जनवरी, 2023 से ई-चालान की पीढ़ी के लिए सीमा को घटाकर 5 करोड़ रुपये करने की सिफारिश की है, लेकिन सरकार ने अभी तक इस मामले पर अधिसूचना जारी नहीं की है।

क्या हैं वर्तमान नियम

गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) कानून के तहत, 1 अक्टूबर, 2020 से 500 करोड़ रुपये से अधिक के टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए बिजनेस-टू-बिजनेस (B2B) लेन-देन के लिए ई-चालान अनिवार्य कर दिया गया है। बाद में इसका विस्तार करते हुए उन लोगों को भी शामिल किया गया, जिनके पास 1 जनवरी, 2021 से 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार था।

वर्ष 2030 तक 20 अरब डॉलर का कारोबार हो सकता है ऑनलाइन गेमिंग का

1 अप्रैल, 2021 से इसमें एक बार फिर संशोधन किया गया और 50 करोड़ रुपये से अधिक के टर्नओवर वाली कंपनियों के लिए ॅ2ॅ ई-चालान अनिवार्य कर दिया गया था। 1 अप्रैल, 2022 से इस सीमा को घटाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया गया था। 1 अक्टूबर, 2022 से यह घटाकर 10 करोड़ कर दिया गया।

ना बिजली ना तेल फिर भी चलेगी ये रेल, जानिए कब भारत में दौड़ेगी हाईड्रोजन ट्रेन

नई दिल्ली: एजेंसी

वंदे भारत , बुलेट ट्रेन के बाद अब भारत में जल्द ही हवा यानी गैस से चलने वाली ट्रेन पटरियों पर दौड़ने वाली है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक साल 2023 तक भारत में हाइड्रोजन गैस से चलने वाली ट्रेन शुरू हो जाएंगी। हाईड्रोजन ट्रेनों को वंदे मेट्रो का नाम दिया गया है, जो उन ट्रेनों की जगह देंगी, जो देश में 1950-60 के दशक में डिजाइन की गई है।

हाइड्रोजन ट्रेनों की इंतजार

भारत हाइड्रोजन गैस से चलने वाली ट्रेनों का विकास कर रहा है। ये हाईड्रोजन ट्रेनें पूरी तरह स्वदेशी होगी, जिसका डिजाइन भारतीय इंजीनियर तैयार कर रहे हैं। ये ट्रेन न तो डीजल से चलेंगी और न ही बिजली से। ये ट्रेनें हाईड्रोजन से चलेंगी और धुंए की जगह पर पानी छोड़ेगी। यानी इन ट्रेनों में ईंधन की बचत तो होगी ही, साथ ही साथ प्रदूषण की समस्या भी खत्म हो जाएगी। रेल मंत्री ने कहा कि साल 2023 तक भारत में हाईइड्रोजन फ्यूल सेल से चलने वाली ट्रेन तैयार हो जाएगी। इन ट्रेनों का डिजाइन मई-जून 2023 तक सामने आ जाएगा।

जर्मनी में पहली हाईड्रोजन ट्रेन

जर्मनी में सबसे पहले हाईड्रोजन ट्रेनों की शुरुआत हुई। अगस्त 2022 में जर्मनी में 14 हाईड्रोजन ट्रेनों का बेड़ा लॉन्च किया गया है। इन ट्रेनों को फ्रांस की Alstom नाम की कंपनी ने बनाया है। इन ट्रेनों में हाईड्रोजन फ्यूल सेल का इस्तेमाल किया गया

रहै। इस तरह से ट्रेनों की छतों पर हाईड्रोजन को स्टोर किया जाता है और ऑक्सीजन से मिलने पर ये H2O यानी पानी बनाता है। इस प्रक्रिया में बनने वाली ऊर्जा का इस्तेमाल ट्रेनों को चलाने के लिए किया जाता है। हाईड्रोजन ईंधन से चलने वाले इस हाईड्रीज में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता है और ये इंजन किसी तरह की आवाज नहीं करता है। हाईड्रोजन से चलने वाली ये ट्रेनों एक बार में 1000 किमी की दूरी तरह कर लेती है और 140 किमी की रफ्तार भर लेती है।

भारत में सबसे पहले कहां चलेगी ये ट्रेन

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक भारत में इन ट्रेनों का फोकस गरीब और मध्यम वर्गीय लोगों पर होगा। माना जा रहा है कि भारत में तलने वाली इन हाइड्रील ट्रेनों को सबसे पहले सोनीपत-जिंद रूट पर चलाया जा सकता है। इसके लिए दो DEMU ट्रेनों में हाईड्रोजन फ्यूल सेल लगाने का काम शुरू किया गया है, जिसका ठेका एक भारतीय कंपनी को दिया गया है। इसमें करीब 70 करोड़ रुपये का खर्च होगा। शुरूआत में हाईड्रोजन ट्रेनों का खर्च अधिक होगा, लेकिन माना जा रहा है कि दो सालों के भीतर ही ये इसकी भरपाई कर लेगा। एक किलो हाईड्रोजन करीब 4.5 लीटर डीजल के बराबर माइलेज देगा। वहीं इन ट्रेनों का रखरखाव भी सस्ता होगा। माना जा रहा है DEMU ट्रेनों के मुकाबले हाईड्रोजन ट्रेनें साला ढ़ाई करोड़ रुपये की तक की बचत करेगी। वहीं कार्बल उत्सर्जन को ये ट्रेनें सालाना 11 मिट्रिक टन तक कम कर देगी।

क्या है इस ट्रेन की खासियत?

हाईड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों में बिजली और डीजल की बचत होती है। हाईड्रोजन और ऑक्सीजन के मिलने से बनी ऊर्जा का इस्तेमाल ट्रेन को चलाने में किया जाता है। हाइड्रोजन ट्रेनों को लंबी दूरी के लिए तैनात किया जा सकता है। इसमें प्रदूषण न के बराबर होती है। ये ट्रेनें 140 किमी/घंटा की अधिकतम स्पीड 15 मिनट से भी कम से ले सकती है। हाईड्रोजन ट्रेनें इलेक्ट्रिक ट्रेनों की तुलना में 10 गुना अधिक दूरी तय कर सकती है। ईंधन सेल की लागत और रखरखाव भी कम खर्चीला है। हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों में आवाज नहीं होती, इसलिए ये काफी आरामदायक होती है।

महंगाई का रिकॉर्ड बनाने के बाद सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली। एजेंसी

शादियों के सीजन से पहले सोना खरीदने वालों के लिए खुशखबरी है। पिछले दो दिनों से सोने की कीमत तेजी से नीचे आ रही है। सटोरियों द्वारा अपने सौदों के आकार को कम करने से वायदा कारोबार में गुरुवार को सोना 81 रुपये गिरकर 54,680 रुपये प्रति 10 ग्राम

पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, फरवरी डिलीवरी के लिए सोना अनुबंध 13,537 लॉट के कारोबार में 81 रुपये या 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,680 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। बाजार के जानकारों ने कहा है कि सोने की कीमतों में गिरावट का कारण कारोबारियों द्वारा सौदों की कटान थी। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,812.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।कारोबारियों के सौदे कम करने से बृहस्पतिवार को चांदी का वायदा भाव 198 रुपये की गिरावट के साथ 68,815 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के मार्च डिलीवरी वाले अनुबंध में गिरावट आई। इसका भाव 198 रुपये या 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 68,815 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया जिसमें 20,816 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी 0.29 प्रतिशत गिरकर 23.77 डॉलर प्रति औंस पर चल रही थी।

ज्ञान विज्ञान का अनूठा संगम लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस

पंचांग खरीदते समय ट्रेडमार्क नंबर में आगे 8 व पीछे 8 अवश्य देखें

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

संस्कार शिक्षा सहित जीवन के महत्वपूर्ण पलों को शुभ फलदाई बनाने सटीक, शुभ मुहूर्त, तिथियां व नक्षत्रों की सटीक गणना भविष्य का आईना दिखाते राशिफल, कुंडली मिलान, ग्रह नक्षत्र की दशा यानी पंचाग की बारीक से बारीक खूबी को समेटे लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस पंचांग वर्ष 2023 में और भी खूबियाँ लेकर आया है। इसमें आयकर विवरणी से जुड़ी अनेक जानकारी के साथ ही राशिफल के अनुसार पूरी दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी एवं सटीक भविष्यवाणी जो सही सिद्ध हुई पंचांग में समाहित की गई है। अपनी इन्हीं खूबियों के चलते जबलपुर से प्रकाशित लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस पंचांग हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ना सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी भारतीय परिवारों की पहली पसंद बना हुआ है। पंचांग में शासकीय एवं ऐच्छिक अवकाश की एक एक जानकारी दी गई है, जिनकी मदद से आप पहले से ही परिवार सहित छुट्टियां प्लान कर सकते हैं। विषय विशेषज्ञों, भविष्य वक्ताओं की निगरानी में तैयार किया गया यह पंचांग उपभोक्ताओं की विश्वसनीयता पर लगातार खरा उतरा है। लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस के अग्रवाल बंधुओं ने पंचांग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2023 के लिए यह पंचांग नए कलेवर और आकर्षक प्रिंटिंग के साथ बाजार में आ चुका है। धार्मिक, सामाजिक और पारिवारिक रीति-रिवाजों में यह पंचांग परिवार का सदस्य बनकर सामने आया है। भारत व्रत और त्यौहारों का देश है, किसी भी व्रत त्यौहारों को मनाने में ऋषि मुनियों के दिशा निर्देश और शास्त्रीय निर्णय का पालन करने पर विशेष रूप से पुण्य लाभ और सफलता मिलती है इसी को ध्यान में रखते हुए पंचांग में व्रत पर्व को सूक्ष्म से बिल्कुल सही रूप से प्रस्तुत किया गया है। श्री अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 1937 से जी.डी. एंड संस पंचांग का अपना प्रकाशन लगातार चल रहा है, धीरे-धीरे इस पंचांग ने लाखों घरों में अपना स्थान बना लिया है, इस वर्ष प्रकाशित पंचांग में कई नई बातों का समावेश कर इसे और ज्यादा उपयोगी बनाने की कोशिश की गई है। जी.डी. एंड संस पंचांग में त्यौहारों के साथ ही पुष्य नक्षत्र, विवाह आदि मुहूर्त राशिफल, मुख्य जयंती दिवस, शासकीय अवकाश, बैंक अवकाश को भी अलग से दिखाया है, ज्योतिष गणना में भी जी.डी. एंड संस का पंचांग सबसे शुद्ध माना जाता है। नकली से बचें - कुछ प्रकाशकों द्वारा विगत कई वर्षों से असली नकली का दुष्प्रचार किया जा रहा है, उपभोक्ता ऐसे दुष्प्रचार से बचें, लाला रामस्वरूप जी.डी एंड संस पंचांग के रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नंबर में आगे 8 और पीछे 8 जरूर देखें।

लखनऊ समेत 11 शहरों में शुरू हुई रिलायंस की 5जी सर्विस

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने उत्तर प्रदेश की राजधानी समेत 11 शहरों में ट्रू 5-जी सेवाएं शुरू की है। यह कंपनी की तरफ से अब तक का सबसे बड़ा रोलआउट है। कंपनी ने लखनऊ के साथ-साथ त्रिवेंद्रम, मैसूर, नासिक, औरंगाबाद, चंडीगढ़, मोहाली, पंचकुला, जीरकपुर, खरड़ और डेराबस्सी में अपनी ट्रू 5जी सेवाओं के सबसे बड़े मल्टी-स्टेट लॉन्च की घोषणा की। मोहाली, पंचकुला, जीरकपुर, खरड़ और डेराबस्सी के क्षेत्रों सहित त्रिवेंद्रम, मैसूर, नासिक, औरंगाबाद और चंडीगढ़ ट्राइसिटी में 5उ सेवाओं को लॉन्च करने वाला रिलायंस जियो देश का पहला और एकमात्र ऑपरेटर बन गया है। इन सेवाओं का फायदा उठाने के लिए आपको

कोई अतिरक्त पैसा नहीं देना होगा।

जियो ट्रू 5जी नेटवर्क से जुड़े इन नए 11 शहरों के जियो यूजर्स को 'जियो वेलकम ऑफर' के तहत इनवाइट किया जाएगा। इसके तहत जियो यूजर्स को बिना किसी अतिरिक्त लागत के एक जीबीपीएसह्र स्पीड और अनलिमिटेड डेटा मिलेगा। जियो के प्रवक्ता ने कहा कि 11 शहरों में एकसाथ 5जी रोलआउट करने पर हमें गर्व है और जब से हमने ऊेल 5उ सेवाओं को रोल आउट करना शुरू किया है, तबसे यह हमारे सबसे बड़े लॉन्च में से एक है। इन 11 शहरों के लाखों जियो यूजर्स 2023 की शुरुआत जियो ट्रू 5जी टेक्नोलॉजी के फायदों के साथ करेंगे।

क्या होगा फायदा

ये शहर देश में टूरिस्ट प्लेस होने के साथ-साथ प्रमुख शिक्षा केंद्र भी हैं। कंपनी का दावा है कि जियो की ट्रू 5जी सेवाओं के लॉन्च के साथ ही इन क्षेत्रों को न केवल सबसे अच्छा दूरसंचार नेटवर्क मिलेगा, बल्कि इससे ई-गवर्नेंस, शिक्षा, ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, गेमिंग, हेल्थकेयर, कृषि, आईटी और एसएमई व्यवसाय के क्षेत्रों में विकास के नए दरवाजे भी खुलेंगे।

बढ़ रही है गौ-पालकों की आमदनी, गाय का गोबर ही नहीं, गौ मूत्र भी बिक रहा

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ के गौ-पालकों की आमदनी बढ़ाने की जबरदस्त कवायद चल रही है। वह दिन दूर नहीं, जबकि राज्य में गाय के गोबर से हर रोज हजारों लीटर प्राकृतिक रंग और पुट्टी बनेगी। वहां बने प्राकृतिक पेंट के खपत की भी व्यवस्था हो गई है। राज्य सरकार ने अब से सरकारी भवनों की रंगाई-पुताई प्राकृतिक पेंट से कराए जाने का फैसला किया है। इससे गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने की फैक्ट्री लगने का रास्ता प्रशस्त हुआ है।

75 मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट हो रहे हैं तैयार

राज्य सरकार के इस फैसले के बाद गौठानों में नेचुरल पेंट मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने का दौर तेजी से शुरू हो गया हैं। कुछ इकाइयों में उत्पादन भी शुरू हो गया है वहीं 75 गौठानों में गोबर से प्राकृतिक पेंट एवं पुट्टी निर्माण की इकाइयां तेजी से स्थापित की जा रही हैं। ज्ञातव्य है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकारी इमारतों की रंगाई-पुताई केमिकल पेंट के बदले गोबर से बनने वाले प्राकृतिक पेंट से कराने का ऐलान किया है। इसके बाद राज्य के लोक निर्माण विभाग ने गौठानों में गोबर से उत्पादित प्राकृतिक पेंट को विभागीय निर्माण कार्यों के एसओआर में शामिल कर लिया है। साथ ही प्राकृतिक पेंट से कराने आदेश जारी किया है।

क्या है गौठान

छत्तीसढ़ में गोधन न्याय योजना की शुरूआत की गई है। इसी के तहत गांवों में पशुधन के संरक्षण और संवर्धन के लिए गौठान का निर्माण किया जा रहा है। अभी तक राज्य के 9,619 गांवों में गौठान का निर्माण हो चुका है। इसके साथ ही करीब 3,000 गांवों में गौठान का निर्माण किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि आने वाले कुछ महीने में लगभग 50,000 गांव में गौठान बन जाएंगे।

कितना मिलता है गोबर का दाम

छत्तीसगढ़ के गौठानों में गोधन न्याय योजना के तहत दो रुपए किलो की दर से गोबर की खरीद होती है। इसके साथ ही चार रुपए लीटर की दर से गौमूत्र की खरीद की जाती है। गोबर से कम्पोस्ट खाद के साथ-साथ अन्य सामग्री का निर्माण महिला समूहों द्वारा किया जा रहा हैं। गौमूत्र से फसल कीटनाशक और जीवामृत तैयार किये जा रहे है। हाल ही में राज्य में गोबर से प्राकृतिक पेंट के उत्पादन की शुरुआत रायपुर के समीप स्थित हीरापुर जरवाय गौठान से हुई है।

75 मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट बनेंगे

गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने की यूनिट कांकेर जिले के चारामा में भी लग चुकी है। राज्य के 75 गौठानों में गोबर से प्राकृतिक पेंट एवं पुट्टी निर्माण की इकाइयां तेजी से स्थापित की जा रही है। इन इकाइयों के पूर्ण होने पर प्रतिदिन 50 हजार लीटर तथा साल भर में 37 लाख 50 हजार लीटर प्राकृतिक पेंट का उत्पादन होगा। गोबर से

प्राकृतिक पेंट के निर्माण का मुख्य घटक कार्बोक्सी मिथाइल सेल्यूलोज (सीएससी) होता है। सौ किलो गोबर से लगभग 10 किलो सूखा सीएमसी तैयार होता है। कुल निर्मित पेंट में 30 प्रतिशत मात्रा सीएमसी की होती है। छत्तीसगढ़ में गोबर से प्राकृतिक पेंट और पुट्टी बनाने के लिए केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सराहना की है। छत्तीसगढ़ राज्य की इस पहल को उन्होंने ग्रामीणों को रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर कहा है।

रेलवे के बाद टेलिकॉम में एक्शन, 10 सीनियर अधिकारियों की छुट्टी

नई दिल्ली। एजेंसी

रेलवे के बाद टेलिकॉम मिनिस्ट्री में भी अश्विनी वैष्णव ने कामचोर अधिकारियों पर एक्शन लिया है। वैष्णव ने संयुक्त सचिव समेत दूरसंचार विभाग के 10 वरिष्ठ अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्त करने पर मुहर लगा दी है। भ्रष्टाचार को एकदम बर्दाश्त न करने की नीति और 'काम करो या काम छोड़ो' अभियान के तहत यह छंटनी की गई है। एक आधिकारिक सूत्र ने शनिवार को इन अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्त किए जाने के फैसले की जानकारी दी। पहली बार दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों को सीसीएस (पेंशन) नियम, 1972 के पेंशन नियम 48 के धारा 56 (जे) के तहत जबरन सेवानिवृत्ति दी गई है।

सूत्र ने कहा कि दूरसंचार मंत्री ने संदिग्ध ईमानदारी और भ्रष्टाचार को तनिक भी बर्दाश्त नहीं करने की सरकार की नीति के तहत दूरसंचार विभाग के 10 वरिष्ठ अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्ति देने की मंजूरी दे दी है। इन 10 अधिकारियों में नौ अधिकारी निदेशक स्तर पर काम कर रहे थे जबकि एक अधिकारी संयुक्त सचिव स्तर का है। दूरसंचार मंत्री ने यह फैसला हर साल सरकार द्वारा मनाए जाने वाले 'सुशासन दिवस' की पूर्व संध्या से एक दिन किया।

काम करो या घर बैठो

इससे पहले सितंबर में सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल (BSNL) के एक वरिष्ठ अधिकारी को वैष्णव की बैठक में झपकी लेते हुए पाए जाने पर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दे दी गई थी। रेलवे विभाग ने भी लगभग 40 अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्ति दी है। गौरतलब है कि वैष्णव के पास रेलवे मंत्रालय का भी प्रभार है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जुलाई में मंत्री पद संभाला था। तभी उन्होंने साफ कर दिया था कि जो अधिकारी काम नहीं कर सकते हैं, उन्हें घर बैठ जाना चाहिए।

चीनी उद्योग से जुड़ी इस कंपनी के शेयर ने किया मालामाल, दो साल में दिया 200% रिटर्न

नई दिल्ली। एजेंसी

द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड चीनी और इससे जुड़े उत्पादों के उत्पादन के कारोबार में लगी हुई है। कंपनी की इथेनॉल और औद्योगिक अल्कोहल उत्पादन में मजबूत उपस्थिति है। कंपनी की प्रोडक्ट रेंज में चीनी, सफेद क्रिस्टल चीनी, इथेनॉल, कैप्टिव पावर और गुड़ शामिल हैं। कंपनी की उत्तर प्रदेश में तीन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं और यह भारत में चीनी क्षेत्र की एक जानी-मानी कंपनी है।

गुरुवार को द्वारिकेश शुगर का शेयर 104.30 रुपए पर ट्रेड करता दिखा। इस तरह इसने पिछले दो वर्षों में 200 फीसदी रिटर्न दिया है। यह स्टॉक 30 दिसंबर, 2020 को 31.10 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस तरह दो साल की होल्डिंग अवधि में इस शेयर ने शानदार रिटर्न दिया है। जबकि एसएंडपी बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने पिछले दो वर्षों में 55३ से अधिक रिटर्न दिया है।

समेकित आधार पर हालिया तिमाही परिणाम में कंपनी का शुद्ध राजस्व साल दर साल 6.79३ बढ़कर 540.11 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के खर्चों में वृद्धि के कारण कंपनी का मुनाफा साल दर साल 80% घटकर 7.84 करोड़ रुपये रहा। स्टॉक इस समय 11.3x के इंडस्ट्री पीई के मुकाबले 14.2x के टीटीएम पीई पर ट्रेड कर रहा है। कंपनी ने 24% और 21% का ROE और ROCE हासिल किया है। इसका बाजार पूंजीकरण 1962.10 करोड़ रुपये है। आज इस कंपनी का शेयर 99.40 रुपये पर खुला। बीएसई पर स्टॉक का 52-सप्ताह का उच्च और निम्न स्तर क्रमशः 148.45 रुपये और 70.90 रुपये है।

भारत की सबसे बड़ी 'बाय-नाउ-पे-लेटर' सुविधा ईपेलेटर तीन सालों में जोड़ेगी एक मिलियन रिटेलर को

ईपेलेटर ने पिछले 2 सालों में हासिल की 30 गुना बढ़त और देशभर के 12000 से ज्यादा पिनकोड तक पहुंचाई अपनी सेवाएँ

7 सालों में अपने पंजीकृत व्यवसाइयों को जारी कर चुके हैं 3000 करोड़ रूपए की क्रेडिट राशि

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

डिजिटल भारत के लक्ष्य की और तेज़ी से अग्रसर, सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट फैसिलिटी के क्षेत्र में काम करने वाले एक स्टार्टअप ई-पे लेटर ने अपने 7 सालों की यात्रा में किराना दुकानों और छोटे व्यापारियों के लिए डिजिटल पद्धतियों को स्वीकार करना और आसान बना दिया है और उनके व्यापार के तौर-तरीकों में क्रान्ति ला दी है। सशक्तिकरण, नवाचार, इमानदारी और ग्राहक सर्वोपरि - इन चार स्थम्भों पर ही कंपनी के सभी निर्णय आधारित रहे हैं। इ-पे लेटर एक आसान वित्तीय सहायता संसाधन से बढ़कर है। यह छोटे व्यवसायों को उनके सपनों को हासिल करने के लिए विशिष्ठ रूप से तैयार समाधान और सशक्त मंच प्रदान करता है। देशभर के 12000 पिनकोड्स के किराना व्यापारियों को 3000 करोड़ रूपए से अधिक की क्रेडिट सुविधा प्रदान करने के अलावा इस स्टार्टअप ने पिछले 2 सालों में 30 गुना बढ़त भी दर्ज की है। देश का पहला बाय-नाउ-पे-लेटर फिनटेक स्टार्टअप होने के नाते, इ-पे लेटर ने अपने किराना व्यापारियों को आसानी से डिजिटल मोड पर आने में सहायता की है और उनकी कमाई बढाने के साथ ही अपने ग्राहकों के साथ उनके इंगेजमेंट को बढाने में भी मदद की है। कंपनी अगले 3 सालों में 1 मिलियन ग्राहकों तक पहुंचे के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। अपनी कंपनी को सफलता के इस पड़ाव पर पहुंचाने वाले ई-पे लेटर के को-फाउंडर औरोको भट्टाचार्य ने कहा कि, 'वर्तमान में देशभर के 650 शहरों में रिटेल व्यापारियों के बीच फैले अपने टेक्नोलॉजी आधारित प्लेटफार्म के माध्यम से हम और भी शहरों में अपनी उपस्थिति को बढ़ाना चाहते हैं, और सूक्ष्म और लघु उद्योगों को क्रेडिट और टेक्नोलॉजी की मदद से अपने नेटवर्क के जोड़ते हुए उनके ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने के रास्ते खोलना चाहते हैं। हमारा सपना है की छोटे व्यापारियों को पूंजी उपलब्ध करवा सकें जिससे कि वो वित्तीय रूप से सक्षम हो सकें, अपने पास मौजूद माल को और बढ़ा सकें और साथ ही अपने ग्राहकों के लिए लुभावने ऑफर पेश करके अपना व्यापर बढ़ा सकें।'

इन उपायों से दूर कीजिए घर के वास्तु दोष, जल्द दूर होगी आर्थिक तंगी

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

दिन-रात पैसा कमाने के बाद भी आपके घर में पैसों की बचत नहीं हो पा रही है। लाखों रुपये कमाने के बावजूद भी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है तो इसके पीछे की वजह है कि घर में वास्तु दोष का होना। ऐसे में आज हम आपको वास्तु दोष दूर करने के कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं, जिन्हें करने से घर में लगने वाला वास्तु दोष समाप्त हो जाएगा और आपके घर की तरक्की होने लगेगी। आइए जानते हैं क्या है वो उपाय?

1- घर में अखंड रूप से 9 बार रामायण का पाठ करने से वास्तुदोष का निवारण होता है।

2- भैरव मंदिर या हटकेश्वर-क्षेत्र में वास्तुपद नामक तीर्थ के दर्शन मात्र से ही वास्तुजनित दोषों का निवारण होता है।

3- मुख्य द्वार के ऊपर हनुमान जी के चरणों के सिंदूर से नो अंगुल लंबा नो अंगुल चोडा स्वास्तिक का चिन्ह बनाये और जहां पर भी वास्तु दोष है वहां इस चिन्ह का निर्माण करें वास्तुदोष का निवारण हो जाता है।

4- मकान में रसोई घर सही स्थान पर ना हो तो अग्निकोण में एक लाल बल्ब लगा दें और निरंतर जला कर रखें।

5- घर के द्वार पर घोड़े की लोहे वाली नाल लगायें। लेकिन नाल अपने आप गिरी होनी चाहिए।

6- घर के सभी प्रकार के वास्तु दोष दूर करने के लिए मुख्य द्वार पर एक ओर केले का वृक्ष दूसरी ओर तुलसी का पौधा गमले में लगायें।

7- दुकान की शुभता बढ़ाने के लिए प्रवेश द्वार के दोनों ओर गणपति की मूर्ति या स्टिकर लगायें। एक गणपति की दृष्टि दुकान पर पड़ेगी, दूसरे गणपति की बाहर की ओर।

8- यदि दुकान में चोरी होती हो या अग्नि लगती हो तो भौम यंत्र की स्थापना करें। यह यंत्र पूर्वोत्तर कोण या पूर्व दिशा में, फर्श से नीचे दो फीट गहरा गड्ढा खोदकर स्थापित किया जाता है।

9- यदि पलाट खरीदे हुये बहुत समय हो गया हो और मकान बनने का योग ना आ रहा हो तो उस प्लाट में अनार का पौधा पुष्य नक्षत्र में लगायें।

10- 1 घर में 9 दिन तक अखंड कीर्तन करने से वास्तुजनित दोषों का निवारण होता है।

12- अगर आपका घर चारों ओर बड़े मकानों से घिरा हो तो उनके बीच बांस का लम्बा फ्लेग लगायें या कोई बहुत ऊंचा बढ़ने वाला पेड़ लगायें।

13- फैक्ट्री-कारखाने के उद्घाटन के समय चांदी का सर्प पूर्व दिशा में जमीन में स्थापित करें।

14- अपने घर के उतर के कोण में तुलसी का पौधा लगाएं।

15- हल्दी को जल में घोलकर एक पान के पत्ते की सहायता से अपने सम्पूर्ण घर में छिडकाव करें इससे घर में लक्ष्मी का वास तथा घर में शांति भी बनी रहती है।

गंगा जल के इन उपायों को करने से दूर होगी नकारात्मकता, मिलेंगे कई चमत्कारी फायदे

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

सनातन धर्म में पवित्र नदी गंगा को देवी तुल्य माना गया है। शिवपुराण के अनुसार गंगा भगवान शिव की जटाओं से निकली हैं। ऐसी धार्मिक मान्यताएं हैं कि गंगा के जल में स्नान करने से समस्त पापों दूर हो जाते हैं। गंगा में अस्थियां विसर्जित करने से आत्मा को मोक्ष की प्राप्त होती है। गंगा जल के स्पर्श मात्र से व्यक्ति शुद्ध हो जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गंगा जल इतना शक्तिशाली है कि जिस व्यक्ति से किसी भी तरह की भूल हुई हो तो इसके छिड़काव या फिर गंगा नदी में स्नान मात्र से उसके पाप नष्ट हो जाते हैं। गंगा जल से व्यक्ति से लेकर स्थान विशेष तक का शुद्धिकरण किया जाता है।

गंगा जल से आती सकारात्मकता

यदि किसी व्यक्ति के घर में किसी प्रकार का क्लेश है। पारिवारिक माहौल अनबन से भरा हुआ है। घर को किसी नकारात्मकता ने घेर रखा है तो पूरे घर का गंगा जल से शुद्धिकरण करना चाहिए। इससे घर का क्लेश और नकारात्मकता दूर होगी और सकारात्मकता का प्रवेश होगा।

गंगा जल से ग्रह दोष होगा दूर

यदि आपकी कुंडली में किसी प्रकार का ग्रह दोष बना हुआ है तो उसके प्रभाव को कम करने में गंगा जल अहम भूमिका निभाता है। प्रत्येक सोमवार गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक करने से ग्रह दोष शांत होते हैं। उनका नकारात्मक प्रभाव कम होने लगता है। शनिवार को एक कलश में पानी लेकर उसमें थोड़ा सा गंगा जल मिला लें। अब इस जल को पीपल की जड़ों में चढ़ाएं। इससे आपको ग्रह दोष से उत्पन्न परेशानियों से छुटकारा मिलेगा।

बुरी नजर से बचाए

यदि आपके घर में किसी छोटे बच्चे को बुरी नजर लग गई है तो बच्चे का गंगा जल से शुद्धिकरण करें। इस उपाय से नजर दोष दूर हो जाएगा। हालांकि कई बार बच्चे नजर लगने पर रोते हैं तो ऐसी स्थिति में पहले गंगा का छिड़काव करें फिर तुरंत डॉक्टर को भी चेकअप करवाएं।

सोने से पहले करें ये उपाय

जब भी आप रात में विश्राम करने के लिए अपने शयनकक्ष में जाएं तो सोने से पहले अपने बिस्तर पर गंगा जल का छिड़काव करें। इससे आपको अच्छी नींद आएगी साथ ही आपकी नींद बीच-बीच में टूटेगी भी नहीं और आपको बुरे सपने भी नहीं आएंगे।

प्रेत शक्तियों से बचाव

यदि आप नियमित अपने घर में गंगाजल का छिड़काव करते हैं तो प्रेत शक्तियां आपके घर में कभी वास नहीं करेंगी। किसी भी प्रकार की नकारात्मकता आपको परेशान नहीं करेगी।

मंत्रों का जाप करते समय इन बातों का रखें विशेष ध्यान, शीघ्र मिलेगी सिद्धि

सनातन धर्म शास्त्रों के अनुसार किसी भी प्रकार के मंत्र को निरंतर जाप द्वारा ही सिद्ध किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि मंत्रों की साधना करने वाले साधक को अपने मन को शुद्ध रखना आवश्यक होता है। साधक सभी प्रकार की बाहरी विकारों से मुक्त होना चाहिए। महाकाव्य रामचरित मानस में भी लिखा है कि 'जाप हिं नामु जन आरत भारी। मिटहिं कुसंकट होहि सुखारी' यानी आर्त भक्त नाम जाप करते हैं तो उनके बड़े भारी से भारी संकट भी मिट जाते हैं। हालांकि, जाप करते समय ये भी जरूरी है कि कुछ नियमों का पालन किया जाए। आइए जानते हैं शास्त्रों द्वारा बताए गए उन नियमों के बारे में जिनका जाप के दौरान ध्यान रखना आवश्यक है।

1.किसी भी मंत्र का जाप करने से पहले स्थान का चयन करना आवश्यक होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार पर्वत, गुफा, नदियां का संगम, तीर्थ स्थल, वाटिका, वन, वृक्षों के नीचे या किसी साधक की तपोस्थली पर जाप किया जाना उत्तम माना जाता है। किसी एकांत और शांत स्थान पर बैठकर भी जाप कर सकते हैं।

2.जाप करते समय आपके मुख की दिशा में सूर्य, धुव्रतारा, अग्नि, दीपक या गुरु का होना श्रेष्ठ माना गया है। सुबह जाप करते समय साधक का मुंह पूर्व दिशा में तथा हाथ हृदय के सामने रहना चाहिए। शाम को जाप करते समय मुंह पश्चिम दिशा व हाथ मस्तक के सामने रखना श्रेष्ठ माना गया है।

3.कुशा के आसान पर बैठकर जाप करना सही माना जाता है। आसान का रंग देवताओं व मंत्र पर बहुत निर्भर करता है।

4.जाप करते समय गति का विशेष ध्यान रखना चाहिए। मंत्रों का उच्चारण सही होना चाहिए। कभी धीरे तो कभी तेज जाप नहीं करना चाहिए। जहां तक संभव हो मानसिक जाप यानी बिना बोले व होंठ हिलाए मन में ही मंत्र का जाप करें। मंत्र का हर अक्षर शुद्ध होना चाहिए।

आचार्य संतोष भार्गव
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

5. मंत्रों का जाप पद्मासन में करना चाहिए। इसमें बायां हाथ गोद में रखकर दाहिने हाथ में माला लिए रहना चाहिए। जिस मंत्र को बाएं हाथ से जाप करनी हो, वहां दाहिना हाथ गोद में रख बांएं हाथ से माला जाप करनी चाहिए।

45 दिनों तक शमी के पौधे के पास जलाएं घी का दीपक, चमत्कारिक रूप से मिलेगा ये लाभ

ज्योतिष शास्त्र व वास्तु के अनुसार शमी के पौधे को घर में लगाना बहुत शुभ होता है। जिन लोगों पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है या फिर ढैय्या का समय काल चल रहा है तो उन्हें अपने घर में शमी का पौधा लगाना चाहिए। इससे जातकों पर शनि के प्रकोप में राहत मिलती है। हिंदू धर्म शास्त्रों में कुछ पेड़ों और पौधों को देवताओं से जोड़ा गया है। इनकी पूजा करने से बड़ी सरलता से ग्रह-दोषों से मुक्ति मिल सकती है। जैसे तुलसी के पूजन से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। साथ ही बुध के दोषों से मुक्ति मिलती है। वहीं बृहस्पति के दोष दूर करने के लिए या उन्हें प्रसन्न करने के लिए केले की पूजा की जाती है। पीपल के

पेड़ की पूजा से भी ग्रह-बाधा शांत होती है। इसी तरह अगर किसी का शनि पीड़ित है तो उसे घर पर शमी का पौधा लगाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा घर में शमी का पौधा लगाने के अनगिनत फायदे हैं। आइए जानते हैं क्या-क्या

- कमजोर हो या तरक्की में बाधा दिख रही हो, तो घर में शमी का पौधा लगाएं।

- इस पौधे को शनिवार को घर में लगाने से न सिर्फ सुख-समृद्धि आती है बल्कि पैसों की तंगी भी दूर हो जाती है।

- शमी के पौधे को लगाने से घर का वास्तु दोष भी दूर होता है।

- हर दिन शमी की पूजा करने से विवाह संबंधी दिक्कतें भी दूर होती हैं। 45 दिनों तक रोजाना शाम को शमी के पौधे के पास घी का दीपक जलाएं। ये उपाय विवाह में आ रही सारी बाधाएं दूर करता है।

- शमी के पौधे की पूजा प्रदोष काल में करनी चाहिए। उसकी जड़ों में जल अर्पित करने के बाद घी का दीपक जलाएं। इससे घर परिवार में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

- अगर घर में आए दिन क्लेश का माहौल रहता है, तो ऐसे घर के स्वामी को शमी के पौधे की पूजा अवश्य करनी चाहिए और बुधवार के दिन शमी की पत्तियां भगवान गणेश को चढ़ानी चाहिए। इससे घर में शांति बनी रहती है।

इंडिया का प्रणाम, हर किसान कैंपेन के तहत किसानों को उनके अहम योगदान के लिए सम्मानित किया

किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम संपन्न

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर है और इसमें सबसे बड़ा योगदान हमारे देश के मेहनतकश किसान दे रहे हैं। किसानों नेअपने अथक परिश्रम से देश को इस स्तर पर पहुंचाया है कि आज हम दूसरेदेशों को भी अन्न उपलब्ध कराने में सक्षम है। उनके इस योगदान के लिए 'धानुका समूह' जो कृषि क्षेत्र में एक अग्रणी कंपनी है, उसने मध्य प्रदेश केप्रगतिशील किसानों का रतलाम और इंदौर के राऊ में हुए एक विशेष समारोह में सम्मान किया है। समारोह का आयोजन 'धानुका समूह' के द्वाराकुछ महीने पहले लॉन्च की गई विशेष कैंपेन 'इंडिया का प्रणाम, हर किसान के नाम' के तहत किया गया।

इस कैंपेन के तहत यह पहला कार्यक्रम था जो मध्यप्रदेश में आयोजित हुआ।धानुका समूह ऐसे अनेक कार्यक्रम आने वाले समय में देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित करेगा। किसानों का सम्मान उन्हें वर्ष 2023 का कैलेंडर, डायरी समेत कई उपहार प्रदान कर के किया गया। इस अवसर पर धानुका समूह की ओर से चीफ मार्केटिंग मैनेजर सुबोध गुप्ता, डीजीएम अखिल शर्मा और एसएमई मयूर अमेटा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहें। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय मेहनतकश किसान मान—सम्मान के हकदार हैं। हर साल विपरित परिस्थितियों में और प्राकृतिक आपदाओं को झेलने के बावजूद अपना काम कड़ी मेहनत और लगन के साथ करते हैं। साथ ही वे हमारे देश को आत्मनिर्भर बनाने में सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। इसीलिए पूरा देश उन्हें दिल से प्रणाम करता है। गौरतलब है कि धानुका समूह ने अपने 42वें स्थापना दिवस पर इसी साल एक अनूठा कैंपेन 'इंडिया का प्रणाम, हर किसान के नाम' शुरू किया था, जिसका उद्देश्य देश के किसानों की मेहनत को सम्मान करना है। धानुका के अधिकारियों ने कहा कि स्थापना के बाद से धानुका समूह अपने किसानों की बेहतरी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने में अग्रणी है। अधिकारियों के मुताबिक हमारे किसान जिस प्रकार से पूरे देश के खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं और अन्य देशों को खाद्यान उपलब्ध कराने के लिए त्याग और मेहनत करते हैं, वह प्रशंसनीय है और देश के लिए गर्व का विषय है। ज्ञात हो कि1960 के दशक से हम विभिन्न प्रकार के खाद्यान्न के निर्यातक हैं। अन्य देशों की तुलना में हमारे देश के खाद्यान सुरक्षा की स्थिति बहुत अच्छी है क्योंकि दुनिया के कई देश इन दिनों खाद्यान्न के गंभीर संकट से गुज़र रहे हैं।

कारों की डिमांड बढ़ी पर चिप की कमी ने बढ़ाया इंतजार

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना की मार झेलने के बाद अब कार कारोबारियों के चेहरे पर मुस्कान आ गई है। पिछले साल की अपेक्षा इस त्योहारी सीजन में 25 प्रतिशत कार बिक्री में उछाल आई है। स्थिति यह है कि डिमांड ज्यादा होने के चलते नई कार की वेटिंग एक-एक साल तक पहुंच गई है। इसके चलते कार की बुकिंग कराने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तेजी से बढ़ी डिमांड

कार डीलर हर्षवर्धन बंसल ने बताया कि राजधानी में नई कार की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। लेकिन डिमांड के हिसाब से गाड़ियां लोगों को नहीं मिल पा रही हैं। कारण, देश में सेमीकंडक्टर चिप की कमी हो गई है, जिससे कारों में मैन्युफैक्चरिंग पर असर पड़ रहा है। कोरोना काल से पहले चीन से इसकी सप्लाई होती थी, लेकिन अब यूरोप से हो रही है। हालांकि, भारत में खुद चिप तैयार करने की दिशा में केंद्र सरकार काम कर रही है। वहीं, एक और कार कारोबारी ने बताया कि दिल्ली में करीब 60 प्रतिशत गाड़ियों में लंबी वेटिंग चल रही है। हालांकि, डिमांड बढ़ने की वजह से कार मार्केट का बाजार गर्म हो गया है।

चिप का क्या काम

जानकारों के मुताबिक, चिप का इस्तेमाल कार से लेकर डिजिटल वॉच और लैपटॉप में किया जाता है। कार के इंफोटेनमेंट सिस्टम, पावर स्टीयरिंग समेत कई पार्ट को ऑपरेट करने के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स का इस्तेमाल होता है। नए वाहनों के लिए यह चिप बेहद जरूरी है। यह एक छोटी-सी चिप है, जिसका कारों में इस्तेमाल किया जाता है।

फ्लिपकार्ट ने ईओएसएस के दौरान 82 लाख से अधिक फैशन और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट बेचे

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट पर हाल ही में खत्म हुई एंड ऑफ सीज़न सेल के दौरान फ्लिपकार्ट फैशन को लेकर देशभर के ग्राहकों के बीच जबरदस्त दिलचस्पी देखने को मिली। त्योहारों की बढ़ती रौनक और शादियों के सीज़न के दौरान लाखों ग्राहकों ने फ्लिपकार्ट की एंड ऑफ सीज़न सेल का रुख किया। जिसमें 2,00,000 से ज़्यादा विक्रेताओं और 10,000 से अधिक ब्रैंड्स ने हिस्सा लिया। इस दौरान ग्राहकों के लिए पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के फैशनेबल परिधानों ऐक्सेसरीज़ और फुटवियर के 10 लाख से ज़्यादा स्टाइल उपलब्ध कराए गए।

प्लेटफॉर्म की इस सफलता के बारे में अभिषेक मलू सीनियर डायरेक्टर फ्लिपकार्ट फैशन ने कहा फ्लिपकार्ट में हम ग्राहकों के सफर को आसान बनाने की दिशा में काम करते हैं ताकि ज़्यादा से ज़्यादा भारतीयों को ऑनलाइन खरीदारी करने के लिए प्रेरित किया जा सके। ईओएसएस के दौरान खूब खरीदारी देखने को मिलती है क्योंकि ग्राहकों को सही कीमत पर उत्पाद उपलब्ध कराए जाते हैं, ताकि वे अपने वॉर्डरोब को अपग्रेड कर सकें और उसमें नयापन लाया जा सके। देश में फैशन को लेकर लोगों के बीच जागरूकता लाने के साथ-साथ इस बार के इवेंट के दौरान टियर 3 बाज़ारों से सबसे ज़्यादा मांग देखने को मिली। फ्लिपकार्ट में हमें इस बात की खुशी है कि तकनीक की मदद से खरीदारी के अनुभव को बेहतर बनाने और अधिक संख्या में ग्राहकों को जोड़ने में मदद मिली है। इसके अलावा, इससे लाखों विक्रेताओं एमएसएमई और राष्ट्रीय व क्षेत्रीय ब्रैंड्स के लिए बाज़ार की पहुंच का विस्तार करने में भी मदद मिली है।

7 से 12 दिसंबर के दौरान आयोजित किए गए इस 6 दिन के आयोजन में देशभर के ग्राहकों ने अपने वॉर्डरोब को अपग्रेड किया और नया रूप दिया। इस दौरान सबसे ज़्यादा मांग जूतों, सूटकेस, स्वेटशर्ट, जैकेट, टी-शर्ट, महिलाओं के पारंपरिक परिधान, घड़ियों और जींस की रही। ग्राहकों द्वारा सबसे ज़्यादा पसंद किए जाने वाले ब्रैंड्स प्यूमा, नाइकी, अडिडास, रोडस्टर, वुडलैंड, कैंपस, सफारी, रेड टेप, वर्ल्ड वियर फुटवियर, अडिडास, मेट्रोनॉट, प्रोवोग, एशियन और क्रॉक्स रहे।

फिर घटा अपना विदेशी मुद्रा भंडार, जानते हैं वजह?

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर कमी आई है। 16 दिसंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 57.1 करोड़ डॉलर घटकर 563.499 अरब डॉलर रह गया है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से सामने आई है। बताया जाता है कि आलोच्य सप्ताह के दौरान वैश्विक घटनाक्रमों की खूब हलचल रही। इस वजह से भारतीय मुद्रा का मूल्य डॉलर (इदीग्रुह ण्लिहम्ब) के मुकाबले काफी घट गया। इस तेज गिरावट को रोकने के लिए रिजर्व बैंक ने काफी मात्रा में डॉलर बाजार में बेचे। इसका प्रभाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ा।

इससे पहले हुई थी बढ़ोतरी

यदि बीते 16 दिसंबर को समाप्त सप्ताह को छोड़ दें तो इससे पहले लगातार पांच सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार (India's forex reserves) में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई थी। नौ दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.91 अरब डॉलर बढ़कर 564.06 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 11 अरब डॉलर बढ़कर 561.16 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। अक्टूबर, 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

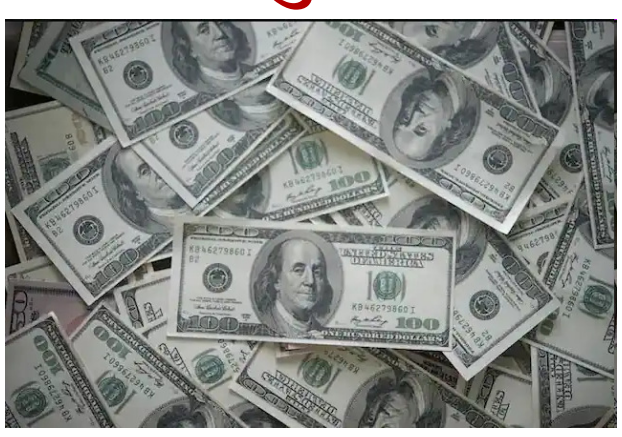

फॉरेन करेंसी एसेट्स में भी हुई कमी

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अपना फॉरेन करेंसी असेट (Foreign Currency Asset) भी घटा है। कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट (FCA) एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। बीते 16 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 50 करोड़ डॉलर घटकर 499.624 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशीमुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व भी घटा

इस दौरान देश के सोने के भंडार के मूल्य में भी गिरावट आई है। 16 दिसंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार के मूल्य में 15 करोड़ डॉलर की कमी आई। अब अपने स्वर्ण भंडार का मूल्य घट कर 40.579 अरब डॉलर रह गया है। इससे पहले 9 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह में भी स्वर्ण भंडार का मूल्य 29.6 करोड़ डॉलर घटा था। उस समय अपने स्वर्ण भंडार का मूल्य घट कर 40.729 अरब डॉलर रह गया था।

एसडीआर में हुई बढ़ोतरी

आंकड़ों के अनुसार, 16 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में 7.5 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई। अब यह बढ़ कर 18.181 अरब डॉलर हो गया है। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में रखा देश का मुद्रा भंडार भी 40 लाख डॉलर बढ़कर 5.114 अरब डॉलर हो गया है।

चीनी कंबलों पर भारी पड़ रहे देसी कंबल, दाम में ही नहीं क्वालिटी में भी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

प्रचंड ठंड में कंबल का कारोबार चढ़ गया है। बाजार में अलग-अलग वैरायटी, डिजाइन और प्राइस रेंज में कंबल उपलब्ध हैं। सिंथेटिक यार्न से बने ये कंबल देखने में सुंदर होते हैं। हल्के वजन, किफायती दाम और पूरी गर्माहट से कंबल की बिक्री बढ़ गई है। अच्छी बात यह है कि ये कंबल इंपोर्टेड नहीं हैं, बल्कि शत प्रतिशत देशी कंबल हैं। मेड इन इंडिया। ये न सिर्फ दाम में बल्कि क्वालिटी में भी चाइनीज कंबल पर भारी पड़ रहे हैं।

पानीपत, लुधियाना और अमृतसर में बनते हैं कंबल

दिल्ली ब्लैंकेट्स एंड शॉल मर्चेंट्स असोसिएशन के प्रेजिडेंट योगेश बंसल ने बताया कि सिंथेटिक यार्न से बने कंबलों का रख-रखाव आसान है। आराम से धुल जाते हैं। मार्केट में मिंक कंबल सिंगल प्लाई और डबल प्लाई में आते हैं। दोनों की भरमार वैरायटी है। आजकल घरों में गर्म बेडशीट विद पिलो कवर का चलन भी भढ़ा है। इसमें फ्लेनो कंबल की वैरायटी बेशुमार डिजाइन और क्वालिटी में उपलब्ध है। इसे एसी ब्लैंकेट्स के नाम से भी जानते हैं। ये साल में 12 महीने इस्तेमाल होते हैं। मिंक कंबल में सुपर सॉफ्ट क्वालिटी और सुपर क्लाउडी क्वालिटी पानीपत, लुधियाना और अमृतसर से आती हैं। इन शहरों में बड़ी मिलें हैं। वहां सुंदर और आकर्षक डिजाइनों में कंबल मिलते हैं।

देसी कंबल पड़ रहा है भारी

योगेश ने बताया कि मौजूदा समय में चीनी कंबल पर देसी कंबल भारी पड़ रहा है। चीन का कंबल महंगा पड़ रहा है। देश में कंबल की बल्क प्रोडक्शन हो रही है। हमारी इंडस्ट्री न सिर्फ घरेलू डिमांड पूरा कर रही है बल्कि अब हम कुछ एशियन और यूरोपियन कंट्रीज में कंबल का एक्सपोर्ट भी कर रहे हैं। हिन्दुस्तान में आधा हिस्सा गर्म रहता है, जबकि आधा ठंडा। जिन इलाकों में रात के वक्त ठंड लगती है, वहां एसी कंबल की डिमांड होती है। सभी तरह के कंबल का

प्रोडक्शन सेंटर पंजाब और हरियाणा के शहर हैं। यहीं से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत नॉर्थ-ईस्ट के ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में कंबल की सप्लाई होती है। दिल्ली में कंबल व्यवसासियों का सीजन 15 अगस्त से शुरू होता है। 15 जनवरी तक भरपूर काम होता है।

व्यापारी इसी ठंड का कर रहे थे इंतजार

दिल्ली ब्लैंकेट्स एंड शॉल मर्चेंट्स असोसिएशन के चेयरमैन रतन गुप्ता का कहना है कि कंबल के कामकाज में तेजी आने से व्यापारियों में उत्साह बढ़ा है। पिछले कई दिनों से कारोबार ठंडा था। इसी ठंड का इंतजार सभी कर रहे थे। बाजार में ग्राहक देरी से जरूर पहुंचे, लेकिन जो भी आ रहे हैं, वो खरीदारी जरूर कर रहे हैं। 15 से 20 दिनों तक अच्छी ठंड पड़ी, तो गोदाम में रखा माल निकल जाएगा। दिल्ली में होलसेल कंबल व्यवसायी पूरे साल बिजनेस करते हैं। चांदनी चौक और फतेहपुरी इलाके में आपको मई-जून के महीने में भी कंबल मिल जाएंगे। उन दिनों में सस्ती और अच्छी क्वालिटी के कंबल मिल जाते हैं। मारामारी नहीं रहती। दुकानदार भी फुर्सत में होते हैं। आजकल लोग कंबल को गिफ्टिंग के तौर पर भी देते हैं। शादी-ब्याह, किसी फंक्शन, त्योहार पर कंबल बतौर उपहार दिया जा रहा है। गर्मियों के सीजन में श्रीनगर, लद्दाख, लेह, बद्रीनाथ जैसे ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में कंबल की मांग हमेशा रहती है। समय के साथ कारोबार ऑनलाइन हो चला है। अब बाजार में भीड़ भले कम दिखती हो, लेकिन खरीद-फरोख्त पूरी हो रही है। इंटरनेट और मोबाइल पर ऑर्डर-पेमेंट आ जाते हैं। क्लाइंट का माल समय पर डिलिवर कर देते हैं। क्वालिटी अच्छी देंगे, तो ग्राहक बना रहता है।

कंबल का ट्रेडिंग हब है दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कंबल के दो बड़े थोक मार्केट हैं। योगेश बंसल ने बताया कि चांदनी चौक में नई सड़क और फतेहपुरी के क्लॉथ मार्केट में कंबल के बड़े व्यापारी हैं। इन जगहों पर करीब 200 ट्रेडर्स होलसेल बिजनस का काम करते हैं। इनके अलावा दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर भी कंबल के गिने-चुने बड़े डिस्ट्रीब्यूटर बैठ गए हैं। इसमें आजादपुर, झिलमिल पार्क, कालकाजी, संगम पार्क और उत्तम नगर जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

पॉलीफिल की रजाई की मांग बढ़ी

इन दिनों मार्केट में पॉलीफिल यानी सिंथेटिक रूई से भरी रजाइयों की मांग बढ़ी है। ये फैंसी और कई डिजाइन में आ रही हैं। योगेश बंसल ने बताया कि आजकल लोग रूई की रजाइयों को ज्यादा पसंद नहीं कर रहे हैं। इनका रख-रखाव आसान नहीं है। रूई की रजाई 3 से साढ़े 3 किलो की होती है। डबल बेड की रजाई तो साढ़े 5 किलो तक होती है। इनके ऊपर सूती कपड़ा भी चढ़ाना पड़ता है। इन्हें तह करके रखना भी मुश्किल काम होता है। अब लोग पॉलीफिल की हल्की रजाई खरीद रहे हैं। ये सॉफ्ट होने के साथ हल्की भी होती हैं।

फ्लिपकार्ट ने ग्राहकों के लिए आफ्टर-सेल्स सेवाओं को आसान बनाने के लिए शुरू की होम प्रोडक्ट सर्विस

ग्राहकों के लिए होम प्रोडक्ट सर्विस के तहत् वन-स्टॉप सॉल्यूशन की पेशकश, एप्लायंसेज़ और प्रोडक्ट्स की रिपेयर, मेंटीनेंस और इंस्टॉलेशन सेवाएं उपलब्ध ग्राहकों को 19,000 से अधिक पिन कोडों पर मिलेंगी सेवाएं, पिक एंड ड्रॉप सर्विस भी शामिल

बेंगलुरु। आईपीटी नेटवर्क

भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपनी एप पर होम प्रोडक्ट सर्विस शुरू करने की घोषणा की है जो ग्राहकों को प्रोडक्ट रिपेयर, मेंटीनेंस तथा इंस्टॉलेशन जैसी सुविधाएं प्रदान करेगी। इन आफ्टर-सेल्स सेवाओं को फ्लिपकार्ट की सर्विस आर्म जीव्स के मार्फत उपलब्ध कराया गया है जो कि ग्राहकों एवं कारोबारों के लिए संपूर्ण पोस्ट-परचेज़ सर्विस सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है। ग्राहक अब फ्लिपकार्ट की भरोसेमंद एप पर खरीदारी के अलावा झंझटमुक्त रिपेयर, मेंटीनेंस और इंस्टॉलेशन सेवाओं का भी लाभ उठा सकेंगे जो कि एप की 'रिपेयर एंड मोर'कैटेगरी के जरिए उपलब्ध हैं। इन सेवाओं को सभी प्रकार के होम प्रोडक्ट्स के लिए उपलब्ध कराया गया है, बेशक वे कहीं भी खरीदे गए हों। ग्राहकों को मोबाइल्स, होम एप्लायंसेज़, टैबलेट्स, लैपटॉप्स, फर्नीचर, कंज्यूमर इलैक्ट्रॉनिक्स समेत अन्य कई उत्पादों के मामले में प्रशिक्षित एक्सपर्ट्स के जरिए ये सेवाएं मिलेंगी।

300 से अधिक वॉक-इन सर्विस सेंटर्स,1000₹सर्विस पार्टनर्स,9,000₹ प्राशिक्षित इंजीनियरों तथा 400 शहरों में उपलब्ध जीव्स ग्राहकों को देश के दूरदराज तक के इलाकों में भी आफ्टर-सेल्स सेवाएं उपलब्ध कराएगा। ये सेवाएं 90 से ज्यादा नेशनल और इंटरनेशनल ब्रैंड्स के 40 से अधिक श्रेणियों में उपलब्ध उत्पादों पर प्रदान की जाएंगी जो कि ग्राहकों के लिए भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करने की जीव्स की क्षमताओं को दोहराता है। ग्राहकों को प्राशिक्षित तकनीशियनों से सुविधाजनक और एक्सपर्ट सेवाओं के साथ-साथ उचित दाम पर असली स्पेयर पार्ट्स आदि भी उपलब्ध होंगे। फ्लिपकार्ट होम प्रोडक्ट सर्विसेज़ के लॉन्च के बारे में, डॉ निपुण शर्मा, सीईओ, जीव्स, फ्लिपकार्ट ग्रुप ने कहा, ''जीव्स में हम लगातार कुशल, ग्राहक-केंद्रित संपूर्ण सेल्स सेवाएं प्रदान करने की कोशिश करते हैं। हमें इस बात का बखूबी अहसास है कि ग्राहकों को असंगठित और ऑफपलाइन सेवा प्रदाताओं से सेवाएं लेने में किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन अब फ्लिपकार्ट एप पर होम प्रोडक्ट सर्विसेज़ के उपलब्ध होने के बाद वे अपने होम प्रोडक्ट्स के लिए सुविधाजनक, भरोसेमंद और किफायती ऑफ्टर सेल्स सर्विसेज़ चुन सकेंगे और इनके साथ उन्हें सर्विस गारंटी भी मिलेगी।

सयाजी ने ग्रैंड बग्गी राइड 2022 के साथ खुशियां और प्यार बरसाया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सयाजी इंदौर ने अपने सब ब्रांड, एफोटेल इंदौर और एनराइज राऊ के साथ ग्रैंड बग्गी राइड का आयोजन किया और शहर में क्रिसमस का सबसे बड़ा जश्न मनाया। सयाजी समूह के प्रमुख कार्यक्रम, बग्गी राइड, एफ़ोटेल इंदौर से शुरू होकर सयाजी इंदौर पहुंच कर समाप्त हुआ। इस इवेन्ट में काफी उत्साहजनक भागीदारी देखी गई, जिसमें कॉरपोरेट्स, गणमान्य अतिथियों, कर्मचारियों से लेकर पूरे शहर के लोग और बच्चे शामिल रहे। इस विशेष अवसर पर सयाजी परिवार की ओर से बधाई और शुभकामनाएं। श्री प्रसाद राव, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस, सयाजी इंदौर ने कहा कि 'क्रिसमस और साल के अंत का जश्न मनाने के लिए बग्गी राइड सबसे बड़ा इवेन्ट है। इसके अलावा, समाज से जो प्यार और समर्थन मिला, उसके लिए हम उनके आभारी है।' सयाजी इंदौर अपने मेहमानों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करता है तथा ऐशो-आराम से भरपूर मेहमाननवाजी सुनिश्चित करता है। सयाजी इंदौर में खानपान के बेहतरीन अनुभवों के लिए भोजन के अद्भुत विकल्प भी उपलब्ध हैं और सयाजी इंदौर में आप शादियों, कॉन्फ्रेंस और अन्य कार्यक्रमों के मौके पर यादगार दावतों का आयोजन भी कर सकते हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।